हेल्प इंडिया ऑनलाइन परिवार

परिचय

50, Arpit Nagar, Gandhi Path, Vaishali Nagar, Jaipur (Raj.) - 302021

हेल्प इंडिया परिवार एक वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर ऑर्गनाइजेशन है। हेल्प इंडिया परिवार आत्मनिर्भर और सशक्त भरत के निर्माण और बेहतर जीवन के लिए कई क्षेत्रों में कार्य कर रहा है। हेल्प इंडिया का यह बीज हमारे फाउंडर श्री जगदीश जी पारीक ने वर्ष 2018 में भारत को विश्वगुरु बनाने के सपने को लेकर बोया था। एक छोटे से बीज से शुरुआत करके आज हेल्प इंडिया एक वटवृक्ष बन गया है जिसकी जड़ें उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक फैली हुई है।

हेल्प इंडिया की शुरुआत लोगों को सामाजिक सहायता के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए हुई थी। लेकिन जब देखा गया की लोग अपना मदद फॉर्म भी अच्छे से नहीं भर पा रहे है , अच्छी स्वास्थ्य सेवाओं का आभाव है युवाओं को बेहतर रोजगार नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में हेल्प इंडिया ने विभिन्न क्षेत्रों में लोगों की सुविधाओं के लिए शिक्षा विंग, प्रिवेंटिव हेल्थ विंग, रोजगार विंग, हेल्प विंग, सोशल एंटरप्रोन्योरशिप की स्थापना की।

एजुकेशन विंग - आज हेल्प इंडिया की शिक्षा विंग द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए 8 कोर एजुकेशन कोर्स तैयार किया गया है जिसके द्वारा ना सिर्फ बच्चों को महत्वपूर्ण विषयों के बारे में पढ़ाया और समझाया जा रहा है साथ ही उन्हें रोबोटिक्स और आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस जैसे कोर्स भी पढ़ाये जा रहे है। मानसिक विकास के साथ ही शारीरिक विकास के लिए बच्चो को जिम्नास्टिक, मार्शल आर्ट और विभिन्न स्पोर्ट्स की ट्रेनिंग दी जाती है।

ऑनलाइन एजुकेशन के लिए हेल्प इंडिया की डिजिटल लाइब्रेरी पर 2 लाख से अधिक इ-बुक्स उपलब्ध है, जहां पर जाकर किसी भी विषय से सबंधित किताब को आप पढ़ सकते है। इसके साथ ही हेल्प इंडिया ने 304 से अधिक डिजिटल प्रोफेशनल कोर्स भी लॉन्च किये है जिन्हें सीखकर आप अपनी स्किल को बढ़ा सकते है और अपने कैरियर को बेहतर दिशा देकर अपने भविष्य को उज्जवल बना सकते है।

रोजगार विंग - देश की बड़ी संख्या में युवा होती आबादी के सामने एक अच्छा जॉब पाना सबसे बड़ी चुनौती होती है। हेल्प इंडिया ने इसी को ध्यान में रखते हुए स्किल डवलपमेंट के साथ ही रोजगार के लिए भी एक प्लेटफॉर्म तैयार किया है जहां पर 1000 से अधिक कंपनीज लिस्टेड है जहां पर आवेदन करके युवा रोजगार पा सकते है और अपना भविष्य उज्जवल बना सकते है।

हमारा देश आज 21 वीं सदी में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और यहाँ रोजगार के ढेरों अवसर है लेकिन इन सबके बावजूद हमारे देश में बेरोजगारी बहुत अधिक है और इसका सबसे बड़ा कारन है स्किल की कमी यानि की कार्यकुशलता की कमी। लोगों के पास वह स्किल नहीं है जो उन्हें अच्छा रोजगार पाने में मदद कर सके। इसलिए हेल्प इंडिया के रोजगार पोर्टल में युवाओं को अपनी स्किल सुधारने के अवसर भी प्रदान किये। यहाँ पर हर क्षेत्र के डिप्लोमा कोर्सेज उपलब्ध है जहाँ ऑनलाइन आवेदन कर वे अपने स्किल को बढ़ा सकते है और रोजगार पोर्टल पर ही नौकरियों में आवेदन करके नौकरी पा सकते है।

हमारे प्रधानमंत्री जी के आत्मनिर्भर भारत निर्माण के आह्वान पर हेल्प इंडिया ने अब लोगों को आत्मनिर्भर बनने का सुनहरा अवसर प्रदान किया है। किसी भी व्यवसाय को शुरू करने में पूंजी सबसे पहली और सबसे बड़ी आवश्यकता होती है। पूंजी की कमी के कारण बहुत से लोग व्यापार करने में असमर्थ होते है ऐसे में हेल्प इंडिया ने इस समस्या के समाधान के लिए लोगों को बैंको से लोन दिलाने के लिए एक सेतु का कार्य किया है। अब व्यापर करने के लिए पूंजी कोई समस्या नहीं रहा है और दूरदराज में भी होम गैलेरी और डिपो खोलकर व्यक्ति स्वयं को आत्मनिर्भर बना सकता है।

प्रिवेंटिव हेल्थ विंग - आज के समय जो उपचार पद्धति प्रचलित है उसमें बीमार होने के बाद बीमारी का पता लगाया जाता है और उसका उपचार किया जाता है जिसे की हम एलोपेथी कहते है। इसमें शारीरिक कष्ट तो होता है ही साथ ही परिवार की बड़ी जमा पूंजी भी खर्च हो जाती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए मिशन प्रिवेंटिव हेल्थ की शुरुआत की गयी जिसमें लोगों को प्रिवेंटिव हेल्थ की ट्रेनिंग दी जा रही है। अभी तक 6 लाख से अधिक लोग ट्रेनिंग और सरकारी प्रमाण पत्र प्राप्त कर चुके है। हेल्प इंडिया ने 21 जून को होने वाले योगदिवस तक 1 करोड़ प्रिवेंटिव हेल्थ कंसल्टेंट बनाने का लक्ष्य रखा है।

सोशल एंटरप्रोन्योरशिप विंग - भारत को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य के साथ हेल्प इंडिया ने B2ME Pvt.Ltd. के सहयोग से एक ऐसा प्लेटफॉर्म तैयार किया है जहां के इ कॉमर्स वेबसाइट पर लघु उद्योग, कुटीर उद्योग में निर्मित उत्पादों को आसानी से बेचकर लाभ कमा सकते है और स्वरोजगार के द्वारा देश को सशक्त और आत्मनिर्भर बना सकते है। B2ME में लोगों को स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए प्रिवेंटिव हैल्थ उत्पादों की एक अच्छी रेंज तैयार की गयी है। बी 2मी पर इस समय 80 से अधिक उत्तम क्वालिटी के उत्पाद उपलब्ध है।

डिजिटल हेल्प विंग - हेल्प इंडिया का मुख्य उद्देश्य लोगों के लिए एक ऐसा सामाजिक सहायता का एक ऐसा मोडल तैयार करना था जहां पर सभी व्यक्ति एक दूसरे की मदद कर सके इसके लिए हेल्प इंडिया के द्वारा डिजिटल हेल्प का प्लेटफॉर्म उपलब्ध करवाया गया है जहां पर सभी लोग मिलकर छोटी छोटी सहायता के द्वारा जरुरतमंद व्यक्ति की मदद की जाती है। हेल्प इंडिया के डिजिटल हेल्प द्वारा अभी तक 450 से अधिक बेटियों के विवाह में मदद की जा चुकी है , इसके अलावा मृत्यु उपरांत मदद , मेडिकल मदद और पूर्ण विकलांगता पर भी कम्युनिटी हेल्प के द्वारा मदद की जा रही है।

ई गवर्नेंस विंग - 21 वीं सदी में तकनीक में तेजी से परिवर्तन हुआ है और इसी के साथ लोगों का लेनदेन का तरीका भी बदला है। पिछले कुछ वर्षो में लोग नकद भुगतान की जगह डिजिटल पेमेंट करने लगे है। हेल्प इंडिया ने भी अपनी पे सुविधा लॉन्च की है जिसके द्वारा कही भी कभी भी भुगतान किया जा सकता है। इस समय हेल्प इंडिया पे पर 7000 यूजर है और 1 लाख से अधिक ट्रांजिक्शन हो चुके है।

आज हेल्प इंडिया एक संस्थान ही नहीं बल्कि एक विचार बन गया है जो की तेजी से व्यक्ति व्यक्ति तक पहुंच रहा है। बीते 2 वर्षो में हेल्प इंडिया ने सफलता के नए कीर्तिमान खड़े किये है। हेल्प इंडिया की सफलता के पीछे जो सबसे बड़ी ताकत है वो आप है।

आप हेल्प इंडिया के सजग प्रहरी है जिन्होंने हेल्प इंडिया के भारत के विश्वगुरु बनाने के सपने को ना सिर्फ लोगो तक पहुंचाया है बल्कि उसे अपने अंदर आत्मसात करके उसके लिए जिया है। हेल्प इंडिया ने आज जो कुछ भी अचीव किया है वो तो एक शुरुआत है, अगले कुछ वर्षो में हम अपनी सेवाओं को और बेहतर बनाने जा रहे है और भारत के विश्वगुरु बनाने के संकल्प को सच करने जा रहे है ।

एमफए डॉ पवन पारीक
राष्ट्रीय महामंत्री
हेल्प इंडिया ऑनलाइन फाउंडेशन